

## VII. समष्टिआर्थिक संभावना

तीव्र रिकवरी के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्पादन वृद्धि सुदृढ़ होनी शुरू हो गई है और हेडलाइन मुद्रास्फीति के नीचे गिरने के संकेत भी दिखे हैं। इससे आगे, हाल की अवधि में जो विभिन्न भविष्य दर्शाई सर्वेक्षण किए गए हैं वे वर्ष दर वर्ष वृद्धि को दर्शाते हैं। रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण भी वृद्धि गति के जारी रहने की ओर संकेत करता है। रिजर्व बैंक के पेशेवर अनुमानकर्ता सर्वेक्षण में 2010-11 के लिए जीडीपी वृद्धि दर में मामूली ऊर्ध्वगामी संशोधन दिखा, जो कृषि और सेवा क्षेत्र के लिए उच्चतर वृद्धि अनुमानों की पृष्ठभूमि में है। समग्र संभावना से पता चलता है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति में हाल की कुछ मामूली कमी के बावजूद, मुद्रास्फीति का स्तर सुविधाजनक स्तर से ऊपर बना रहा। रिजर्व बैंक के नीतिगत रुझान के दो उद्देश्यों पर बनाए जाने की संभावना है अर्थात् वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में वृद्धि की गति को बनाए रखना और इसके आगे मुद्रास्फीति को कम करने के प्रयास करना।

VII.1 2009-10 दूसरी छमाही से भारतीय अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ रिकवरी 2009-10 की पहली तिमाही में जारी रही जो मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में तेजी और कृषि क्षेत्र के बेहतर निष्पादन के कारण थी। यद्यपि, औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि की गति अस्थिर थी, यह दो अंकों में (जून और अगस्त 2010 को छोड़कर) बनी रही। कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण संभावना का एक आशावादी चित्र प्रस्तुत करता है, जो इस प्रकार समग्र वृद्धि की गति को समर्थन प्रदान करता है। रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण मूल्यांकन तिमाही (जुलाई-सितंबर 2010) और प्रत्याशा तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2010) के लिए कारोबार स्थिति में सुधार दर्शाता है। पेशेवर

अनुमानकर्ता सर्वेक्षण भी इसी प्रकार के आशावाद की बात करते हैं।

### कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

VII.2 विभिन्न एजेंसियों द्वारा किये गये भविष्य दर्शी सर्वेक्षण सामान्यतया वर्ष-दर-वर्ष काफी अधिक लाभों को दर्शाते हैं, यद्यपि कुछ सर्वेक्षणों में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कारोबार प्रत्याशा में मामूली गिरावट दर्ज हुई (सारणी VII.1)।

VII.3 एनसीएईआर सर्वेक्षण के कारोबार विश्वास सूचकांक के सभी चार घटकों में पिछली तिमाही की तुलना में काफी अधिक सुधार दिखा है, साथ ही पिछले दौर की तुलना में निवेश वातावरण में सर्वाधिक सुधार हुआ। सेक्टरल स्तर पर, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं, इंटरमीडियट और पूंजीगत वस्तुओं ने पिछले वर्ष की तुलना में तुरंत हाल के दौर में कारोबार आशावाद में वृद्धि दर्शाई है।

VII.4 2010-11 की पहली तिमाही के लिए फिक्की के कारोबार विश्वास सर्वेक्षण से पता चलता है कि 78 प्रतिशत कंपनियों ने महसूस किया कि पिछले छह महीनों की तुलना में समग्र कारोबार दशाएं 'सामान्य से काफी

अधिक' बेहतर हुई हैं। इसके आगे, लगभग 72 प्रतिशत कंपनियों ने आगामी छह महीनों में समग्र आर्थिक दशाओं में सुधार का अनुमान लगाया है। लेकिन, समग्र कारोबार विश्वास सूचकांक में पिछली तिमाही की तुलना में गिरावट दिखाई जो तीन स्तरों अर्थात अर्थव्यवस्था, उद्योग और फर्म में गिरावट के कारण थी। नौकरियों की संभावना भी कुछ मंद रही है जिसमें लगभग 64 प्रतिशत सहभागियों का कहना है कि वे अपनी फर्मों में रोजगार स्तर को बनाये रखेंगे।

VII.5 डन और ब्रेड स्ट्रीट बिजनेस अप्टिमिज्म इंडेक्स (बीओआइ) के छह आशावादी सूचकांकों अर्थात बिक्री की मात्रा, निवल लाभ, नये ऑर्डर, इनवेंटरी स्तर और बिक्री मूल्य में से पांच में पिछली तिमाही की तुलना में वृद्धि हुई है। केवल कर्मचारी स्तर अपरिवर्तित बना रहा। सर्वेक्षण निष्कर्षों में उल्लेख है कि मुद्रास्फीति में प्रत्याशित कमी ग्राहकों को कुछ राहत प्रदान कर सकती है, इस प्रकार वह घरेलू उपभोग मांग का समर्थन करेगी।

VII.6 अक्टूबर-दिसंबर 2010-11 के लिए सीआइआइ कारोबार विश्वास सूचकांक में पिछले सर्वेक्षण की तुलना में गिरावट हुई। वर्तमान सर्वेक्षण में, 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि निर्यात बढ़ सकता है।

सारणी VII.1: कारोबारी प्रत्याशा सर्वेक्षण

अवधि / सूचकांक	कारोबारी विश्वास का एनसीएईआर मास्टरकार्ड सूचकांक सितंबर 2010	फिक्की ति1 : 2010-11 समग्र कारोबारी विश्वास सूचकांक	डन तथा ब्रेडस्ट्रीट ति4: 2010 कारोबारी आशावादिता सूचकांक	सीआइआइ अक्टूबर-सितंबर 2010-11 कारोबारी विश्वास सूचकांक
1	2	3	4	5
सूचकांक का वर्तमान स्तर	162.1	71.9	163.5	66.2
पिछले सर्वेक्षण के अनुसार सूचकांक	155.9	74.8	150.0	67.6
सूचकांक का एक वर्ष पहले का स्तर	143.7	67.2	143.2	66.1
% बदलाव (ति-दर-ति) आनुक्रमिक	4.0	-3.9	9.0	-2.1*
% बदलाव (सा-दर-सा)	12.8	7.0	14.2	0.2**

\* : पिछले सर्वेक्षण की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन

\*\* : अक्टूबर-मार्च 2009-10 सर्वेक्षण की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन।

VII.7 मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी मार्किट मैन्युफेक्चरिंग पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआइ) सितंबर 2010 में पिछले 10 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ा जो मुख्य रूप से उत्पादन और नये ऑर्डरों में धीमी वृद्धि को दर्शाता है। नीचे की ओर, रोजगार स्तर जून 2009 से स्थिर बना हुआ है। कच्ची सामग्री के बढ़ते मूल्यों ने निविष्टियों के मूल्य में तीव्र वृद्धि की, जिससे उत्पादन मूल्य मुद्रास्फीति बढ़ी। हाल की गिरावट की बावजूद, अप्रैल 2009 से सूचकांक उक्त तटस्थ सीमा (अर्थात 50 के ऊपर) में बना रहा।

VII.8 यद्यपि सितंबर 2010 में एचएसबीसी मार्किट सेवा पीएमआइ में वृद्धि की गति में मामूली कमी दिखी, यह सेवा क्षेत्र उत्पादन के वास्तविक विस्तार तक जारी रहा। सेवा क्षेत्र में नये हायर करने की गति कम बनी रही, यद्यपि यह सकारात्मक सीमा में बनी रही।

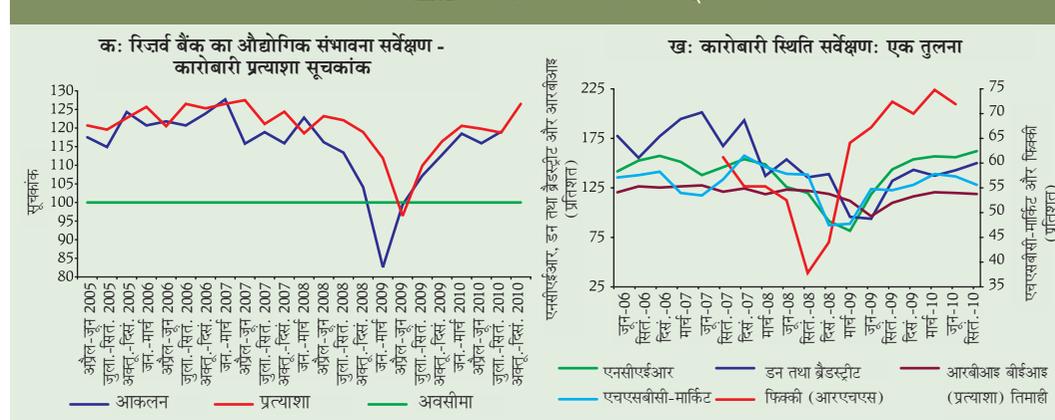
### रिज़र्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण

VII.9 1,403 कंपनियों के सैपल पर आधारित जुलाई-सितंबर 2010 के दौरान रिज़र्व बैंक द्वारा किये गये 51 वें दौर के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण में मूल्यांकन

तिमाही (जुलाई-सितंबर 2010) और अक्टूबर-दिसंबर 2010 तिमाही के लिए प्रत्याशाओं में सुधार दिखा। लेकिन, दोनों सूचकांक (अर्थात वर्तमान तिमाही के बारे में मूल्यांकन और अगली तिमाही के बारे में प्रत्याशा) वृद्धि सीमा (अर्थात 100 के ऊपर, यह वो न्यूनतम सीमा है जो संकुचन को विस्तार से अलग करती है) में बने रहे (चार्ट VII.1क)। सर्वेक्षण के निष्कर्ष अन्य सर्वेक्षणों के अनुरूप हैं (चार्ट VII.1 ख)।

VII.10 औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण दर्शाता है कि पिछली तिमाही और एक वर्ष पहले की तदनु रूप तिमाही की तुलना में मांग दशाओं अर्थात उत्पादन, ऑर्डर बुक, क्षमता उपयोग, मूल्यांकन और प्रत्याशा दोनों तिमाहियों के लिए आयात और निर्यात में सुधार के बारे में भारतीय विनिर्माणकर्ताओं का आशावादी दृष्टिकोण है। लेकिन, समीक्षाधीन दोनों तिमाहियों के लिए माल सामग्री इकट्टी होती देखी जा रही है। इससे पता चलता है कि आइआइपी में द्विअंकीय वृद्धि का हिस्सा माल सामग्री एकत्र होने का परिणाम है जो भविष्य में निरंतर जारी नहीं रहेगा। विनिर्माताओं की मूल्यन शक्ति उच्चतर बिक्री मूल्यों के बारे में प्रत्याशाओं से स्पष्ट है। रोजगार संभावना पर,

चार्ट VII.1 : औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण



भारतीय विनिर्माताओं के विशुद्ध हायरर होने की संभावना है (सारणी VII.2)।

### पेशेवर पूर्वानुमानकर्ता सर्वेक्षण<sup>1</sup>

VII.11 सितंबर 2010 में रिजर्व बैंक द्वारा किये गये 'पेशेवर पूर्वानुमानकर्ता सर्वेक्षण' के तेरहवें दौर का

परिणाम 2010-11 के लिए समग्र (मीडियन) जीडीपी वृद्धि दर में 8.4 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत की उर्ध्वगामी वृद्धि दर्शाता है जो मुख्य रूप से कृषि और सेवा क्षेत्र के वृद्धि अनुमान के उर्ध्वगामी सुधार के कारण था (सारणी VII.3)।

सारणी VII.2: रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण - औद्योगिक निष्पादन के बारे में प्रत्याशाओं और आकलन पर निवल अनुक्रिया

मानक	आशावादी अनुक्रिया	अक्तू.-दिस. 2009		जन.-मार्च 2010		अप्रैल-जून 2010		जुलाई-सितं. 2010		अक्तू.-दिस. 2010
		ई	ए	ई	ए	ई	ए	ई	ए	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. समग्र कारोबारी स्थिति	बेहतर	39.8	36.0	44.9	43.1	41.2	40.7	41.5	38.7	47.5
2. समग्र वित्तीय स्थिति	बेहतर	33.5	29.5	39.3	35.8	36.3	32.2	34.1	30.6	39.6
3. कार्यशील पूँजी वित्त की आवश्यकता	बेहतर	30.4	28.8	32.7	30.5	27.7	29.9	31.1	29.3	34.8
4. वित्त की उपलब्धता	वृद्धि	26.1	23.0	29.2	25.7	26.8	26.4	28.5	26.6	31.3
5. बाह्य वित्त की लागत	सुधार		-14.7	-18.3	-15.9	-20.6	-21.9	-23.3	-28.3	-28.3
6. उत्पादन	कमी	35.0	28.9	40.0	36.5	35.9	35.4	40.2	40.0	49.1
7. आर्डर बुक	वृद्धि	32.3	25.9	35.8	31.9	33.4	31.3	36.3	36.1	44.8
8. लंबित आर्डर, यदि लागू हो	सामान्य से नीचे	11.0	11.6	5.7	8.8	6.4	6.9	4.2	5.1	1.5
9. कच्चे माल की लागत	कमी	-38.4	-47.1	-44.3	-60.2	-48.6	-62.7	-49.3	-58.3	-49.3
10. कच्चे माल की सूची	औसत से नीचे	-1.2	-4.2	-3.6	-5.8	-2.6	-5.0	-5.1	-5.3	-6.6
11. तैयार माल की सूची	औसत से नीचे	-3.7	-4.3	-1.9	-4.3	-2.6	-4.1	-5.0	-4.3	-2.8
12. क्षमता उपयोग (मुख्य उत्पाद)	वृद्धि	22.0	16.5	25.4	21.7	19.7	21.1	26.5	23.3	32.3
13. क्षमता उपयोग का स्तर (पूर्ववर्ती चार तिमाहियों के औसत की तुलना में)	सामान्य से ऊपर	-3.8	-3.9	1.3	3.0	1.6	2.5	5.8	3.1	7.2
14. उत्पादन क्षमता का आकलन (अगले छः महीनों में प्रत्याशित मांग के संबंध में)	पर्याप्त से अधिक	6.5	5.3	5.0	6.4	7.1	3.1	4.1	3.3	5.6
15. कंपनी में रोजगार	वृद्धि	8.8	10.3	12.1	13.7	13.6	14.7	16.8	18.7	21.0
16. निर्यात, यदि लागू हो	वृद्धि	12.5	9.2	20.2	12.7	18.5	15.3	20.7	20.0	26.1
17. आयात, यदि कोई हो	वृद्धि	11.5	13.0	16.9	17.1	17.1	20.9	21.7	22.0	22.2
18. बिक्री कीमतों में उम्मीद है	वृद्धि	6.0	2.6	9.8	12.4	13.3	17.3	15.2	13.8	17.0
19. बिक्री कीमतों में वृद्धि, यदि कोई हो, के बारे में उम्मीद है	कम दर पर वृद्धि	19.4	19.3	16.8	21.6	19.7	17.4	14.3	15.2	13.0
20. लाभ मार्जिन	वृद्धि	-2.8	-9.9	1.1	-2.9	3.2	-4.8	3.1	-2.5	9.2

**नोट:** 1. 'निवल अनुक्रिया' की माप 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) अनुक्रिया सूचित करने वाली कंपनियों के बीच प्रतिशत अंश अंतर के रूप में की जाती है; यथास्थिति (कोई परिवर्तन नहीं) सूचित करने वाली अनुक्रियाओं को नहीं गिना जाता। उच्चतर 'निवल अनुक्रिया' उच्च स्तर के विश्वास का तथा इसके विपरीत अनुक्रिया विपरीत स्थिति का सूचक है।  
2. ई: प्रत्याशाएं. ए: आकलन.  
3. 'बाह्य वित्त की लागत' 48वें दौर के सर्वेक्षण (अक्टूबर-दिसंबर 2009) से जोड़ा गया एक नया प्रश्न है।

<sup>1</sup> सितंबर 2007 तिमाही से रिजर्व बैंक द्वारा शुरू किया गया..। पूर्वानुमान पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के विचारों को परिलक्षित करते हैं, न कि रिजर्व बैंक के।

**सारणी VII.3: पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा 2010-11 और 2011-12 के लिए चुनिंदा समष्टि-आर्थिक संकेतकों के बारे में माध्यिक पूर्वानुमान**

1	वास्तविक 2009-10	वार्षिक पूर्वानुमान				त्रैमासिक पूर्वानुमान									
		2010-11		2011-12		2010-11				2011-12					
		ई	एल	ई	एल	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4			
		ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल		
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	
1. उपादान लागत पर सकल देशी उत्पाद की वास्तविक वृद्धि दर (प्रतिशत में)	7.4सं	8.4	8.5	8.5	8.5	8.2	8.2	8.5	8.7	8.4	8.3	8.3	8.1	-	8.5
क. कृषि और संबद्ध गतिविधियां	0.2सं	4.1	4.6	3.0	3.2	4.0	4.2	6.0	6.5	3.9	5.1	3.0	3.2	-	3.0
ख. उद्योग	10.4सं	9.0	9.0	9.1	9.1	9.3	9.3	8.7	8.7	8.4	7.9	8.7	8.1	-	8.0
ग. सेवाएँ	8.3सं	9.1	9.2	9.5	9.5	8.9	8.5	9.3	9.4	9.2	9.2	9.5	9.5	-	9.6
2. सकल देशी बचत (वर्तमान बाजार कीमत पर सकल देशी उत्पाद का प्रतिशत)	-	34.7	34.0	35.9	35.3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. सकल देशी पूंजी निर्माण (वर्तमान बाजार कीमत पर सकल देशी उत्पाद का प्रतिशत)	-	36.0	36.0	37.8	37.0	36.8	36.0	36.3	35.5	36.1	37.5	37.3	36.0	-	36.5
4. कंपनियों का करोत्तर लाभ (वृद्धि दर प्रतिशत में)*	28.8	22.5	20.0	21.0	23.0	18.0	10.0	18.9	15.0	25.0	20.0	25.0	20.0	-	20.0
5. मुद्रास्फीति थोक मूल्य सूचकांक	3.6	8.6	8.1	6.0	5.6	9.5	8.9	8.1	7.4	7.0	6.0	6.4	5.4	-	5.9
6. विनिमय दर (भारतीय रुपया / अमरीकी \$ अवधि की समाप्ति)	45.1	44.5	44.5	43.5	43.5	45.5	45.0	44.8	45.0	44.5	44.4	43.8	44.3	-	43.5
7. खजाना बिल 91 दिनों का प्रतिफल (प्रतिशत - अवधि की समाप्ति)	4.4	5.2	6.0	5.0	5.8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8. 10 वर्ष की सरकारी प्रतिभूति पर प्रतिफल (प्रतिशत - अवधि की समाप्ति)	7.8	7.8	7.9	7.5	7.9	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. निर्यात (प्रतिशत में वृद्धि दर)†	-3.6	15.0	15.9	16.0	15.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. आयात (प्रतिशत में वृद्धि दर)†	-5.6	17.9	19.7	15.0	15.7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. व्यापार शेष (बिलियन अमरीकी डॉलर)	-108.2	-	-	-	-	-34.5	-36.5	-36.5	-38.5	-33.0	-37.9	-35.9	-37.3	-	-36.9

ई: पिछले दौर का पूर्वानुमान; एल: नवीनतम दौर का पूर्वानुमान. सं: संशोधित अनुमान. प्रा: प्रारंभिक अनुमान.  
-: उपलब्ध नहीं है। \*: बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियां. †: भुगतान संतुलन आधार पर यूएस  
नोट: नवीनतम दौर जुन 2010 को समाप्त तिमाही के लिए बारहवें दौर को संदर्भित करता है, जबकि पिछला दौर मार्च 2010 को समाप्त तिमाही के लिए ग्यारहवें दौर को संदर्भित करता है।  
स्त्रोत: पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं का सर्वेक्षण, 2010-11 की पहली तिमाही।

**विभिन्न एजेंसियों के वृद्धि अनुमान**

VII.12 2010-11 में जीडीपी वृद्धि के सभी उपलब्ध अनुमान सामान्यतया आशावादी तस्वीर पेश करते हैं (सारणी VII.4)। आइएमएफ और एडीबी दोनों ने हाल में भारत के लिए उसकी वृद्धि के उर्ध्वगामी अनुमान संशोधित किये हैं।

**चालू वृद्धि और मुद्रास्फीति संभावनाओं को प्रभावित करने वाले कारक**

VII.13 आर्थिक बहाली, जो 2009-10 की दूसरी तिमाही से साफ दिखने लगी, 2010-11 की पहली तिमाही में

वास्तविक जीडीपी वृद्धि में और बढ़ोतरी से मजबूत हुई। सुदृढ़ वृद्धि आवेग के जारी रहने की संभावना को निम्न कारकों से समर्थन मिला: (क) खरीफ पर सामान्य मानसून का प्रभाव जो दूसरी तिमाही और तीसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि में परिलक्षित होगा, (ख) बीच-बीच में अस्थिरता के बावजूद औद्योगिक क्षेत्र में तेजी के जारी रहने की संभावना, (ग) उत्पाद शुल्क संग्रहण में तीव्र वृद्धि जो सुदृढ़ आर्थिक गतिविधियों का संकेतक है, (घ) सेवा संबंधी गतिविधियों के प्रमुख संकेतकों में निरंतर तेजी, (ङ) कारपोरेट बिक्री में सुदृढ़ वृद्धि, (च) कारोबारी वातावरण में सुधार जैसा कि रिजर्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण

सारणी VII.4: 2010-11 लिए एजेंसियों के पूर्वानुमान

एजेंसी	नवीनतम पूर्वानुमान		इससे पहले के पूर्वानुमान	
	वास्तविक सकल देशी उत्पाद वृद्धि (प्रतिशत)	माह	वास्तविक सकल देशी उत्पाद वृद्धि (प्रतिशत)	माह
1	2	3	4	5
प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद	8.5	जुला-10	8.2	फर-10
वित्त मंत्रालय	8.5 (+/-0.25)	फर-10	..	..
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (कैलेंडर वर्ष) @	9.7	अक्टू-10	9.4	जुला-10
एशियाई विकास बैंक	8.5	सितं-10	8.2	जुला-10
एनसीएईआर	8.4	अक्टू-10	8.1	जुला-10
ओईसीडी @	8.3	मई-10	7.3	नवं-09

.. : उपलब्ध नहीं.  
@ बाजार मूल्य पर, जबकि अन्य लागत मूल्य पर हैं।

में सुझाया गया था, (छ) निजी उपभोग व्यय में तेजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में उच्च वृद्धि, (ज) तेल से इतर आयात में सुदृढ़ वृद्धि, (झ) निजी क्षेत्र से ऋण मांग में वृद्धि और (ञ) गैर बैंकिंग स्रोतों से वित्तीयन का उच्च प्रभाव।

VII.14 फिर भी, वृद्धि के लिए कुछ निम्नगामी जोखिम बने हुए हैं, जिसमें शामिल हैं: (क) उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में बहाली के लिए हाल की संशोधित संभावना को देखते हुए, जो निर्यात वृद्धि को कम करेगी, बाह्य मांग दशाओं का कमजोर होना, (ख) विनिमय दर का वास्तविक मूल्यांकन भारतीय निर्यात के बाह्य मूल्य प्रतिस्पर्धा को भी कमजोर कर सकता है, (ग) सांकेतिक विनिमय दर के बढ़ने पर पूंजी अंतर्वाह का दबाव, (घ) हाल के सर्वेक्षण पर आधारित क्षमता उपयोग में कुछ कमी के प्रमाण और (ङ) लगातार मुद्रास्फीति दबाव विशेष रूप से खाद्य मदों में।

VII.15 हेड लाइन मुद्रास्फीति, जो सितंबर में 8.6 प्रतिशत होने के पहले अगस्त 2010 में कम होकर 8.5 प्रतिशत हो गई थी, नीतिगत चिंता और प्राथमिकता का कारण बनी हुई है। अनाज से इतर प्रोटीन आधारित मदों से

उपजे दबावों के साथ खाद्य मूल्यों के बढ़े हुए स्तर खाद्य मुद्रास्फीति के संरचनात्मक आयाम को दर्शाते हैं, जिसके लिए दीर्घकालिक आपूर्ति बढ़ाने वाले उपायों की जरूरत होगी। इसके आगे, वे कारक जो मुद्रास्फीति पर उर्ध्वगामी दबाव डाल सकते हैं, इस प्रकार हैं: (क) निजी मांग में तेजी से कंपनियों की मूल्यन शक्ति को और मजबूत करना, (ख) अनेक क्षेत्रों में क्षमता विवशताएं जब उच्च मूल्यों के प्रति आपूर्ति अनुक्रिया धीमी हो सकती है और (ग) तेल और पण्यों के मूल्य जिनमें हाल के महीने में वृद्धि के चिह्न दिखे हैं।

VII.16 इन जोखिमों के बावजूद, उन कारकों में, जो मुद्रास्फीतिक दबावों को रोकने में मदद कर सकते हैं, शामिल है: (क) अच्छी खरीफ फसल, जो खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति को कम करने में मदद कर सकती है, (ख) कमजोर बाह्य मांग, जो घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ा सकती है, (ग) काफी अधिक क्षमता और उच्च बेरोजगारी के कारण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के प्रति कोई जोखिम न होना, (घ) मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीतिक प्रत्याशाओं की रोकथाम करने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा पहले ही शुरू की गयी मौद्रिक नीति कार्रवाइयों के प्रभाव।

VII.17 एक समग्र मूल्यांकन से पता चलता है कि जीडीपी वृद्धि रुझान के चारों ओर समेकित हो रही है। लेकिन, वृद्धि आवेग की निवेश मांग को, विशेष रूप से विनिर्माण और आधारभूत संरचना क्षेत्र में सुधार करने के माध्यम से निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है। अनिश्चित वैश्विक

संभावना और मुद्रास्फीति को दुःसाध्यता प्रदान करने वाले कुछ क्षेत्रों में आपूर्ति दुःसाध्यताओं की प्रबलता, बिना वृद्धि को नुकसान पहुंचाए मुद्रास्फीतिक प्रत्याशाओं की रोकथाम करने के लिए मौद्रिक नीति के समक्ष एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत करती है।